[07] No. of printed pages: 3

SARDAR PATEL UNIVERSITY
TY BA (External) Examination
Thursday, 6 March 2014
10.30 am - 1.30 pm
Hindi Paper - VI
प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

Total Marks: 100

नोट : शिरोरेखा लगाना अनिवार्य है ।

प्र.१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । (१८)

(क) ''घेर-घबरानी उबरानी ही रहति घन-
आनंद आरति-राती साधनि मरति हैं ।
जीवन आधार जान-रूप के आधार बिन,
व्याकुल बिकार-भरी खरी सु जरति हैं ।
अतन-जतन तें अनखि अरसानी वीर,
प्यारी पीर-भीर क्यों हूँ धीर न धरति हैं ।
देखियै दसा असाध अंखियाँ निपेटनि की,
भसमी बिथा पै नित लघन करति है ।।''

अथवा

(क) ''झलकैं अति सुंदर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्बै ।
हँसि बोलनि में छबि फूलन की, बरखा उर ऊगर जाति है ह्वै ।
लट लोल कपोल कलोल करैं, कल कंठ बनी जल जावलि ह्वैं ।
अंग-अंग तरंग उठे दुति की, परिहै मनो रूप अबै धर च्वै ।।''

(ख) वै क्यूँ कासी तजैं मुरारी । तेरी सेवा-चोर भये बनवारी ।।
जोगी-जती-तपी सन्यासी । मठ देवल बसि परसैं कासी ।।
तीन बार जे नित प्रति नहावैं । काया भीतरि खबरि न पावैं ।।
देवल देवल फेरी देहीं । नाव निरंजन कबहुँ न लेहीं ।।
चरन-विरंद कासी कौं न दैहूँ । कहै कबीर भल नरकहिं जैहूँ ।।

अथवा

(ख) नैना अंतरि आव तूँ, ज्यों हौं नैन झँपेऊँ ।
ना हौं देखौं और कूँ, नाँ तूझ देखन देऊँ ।।१।।
कबीर रेख सिंदूर की काजल दिया न जाई ।
नैनूँ रमइया रमि रह्या, दूजा कहां समाइ ।।२।।
मन परतीति न प्रेम-रस, नाँ इस तन में ढंग ।
क्या जानौं उस पीवसूँ कैसैं रहसी रंग ।।३।।

(ग) दूलह श्री रघुनाथ बने, दुलही सिय सुंदर मंदिर माँहीं ।
गावति गीत सबै मिलि सुंदरि, बेद जुवा जुरि विप्र पढ़ाहीं ।।
राम को रूप निहारति जानकी कंकन के नग की परछाहीं ।
यातें सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाहीं ।।

अथवा

(ग) 'पानी पानी पानी' सब रानी अकुलानी कहैं,
जाति हैं परानी, गति जानि गज-चालि है ।
बसन बिसारैं, मनि भूषन संभारत न,
आनन सुखाने कहैं ''क्योंहूँ कोऊ पालि है ?''
तुलसी मँदोवै मींजि हाथ, धुनि माथ कहै,
''काहू कान कियो न मैं कह्यो के तो कालि है''।
बापुरो बिभीषन पुकारि बार-बार कह्यो,
''वानर बड़ी बलाइ घने घर घालि है ।।

प्र.२ ''विरह घनानंद के जीवन एवं काव्य का प्राण है'' इस कथन की चर्चा कीजिए.। (१६)

अथवा

प्र.२ घनानंद को हिन्दी साहित्य का एक ''सर्वश्रेष्ठ मुक्तककार कहते हैं ।''-स्पष्ट कीजिए ।

प्र.३ ''कबीर एक मानवतावादी कवि हैं '' - चर्चा कीजिए । (१६)

अथवा

प्र.३ कबीर की भक्ति भावना को सोदाहरण समझाइए ।

प्र.४ कवितावली की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (१६)

अथवा

प्र.४ कवितावली के सात कांडो को समझाइए ।

प्र.५ टिप्पणी लिखिए । (१६)
(क) भूषण का साहित्यिक योगदान ।

अथवा

(क) जायसी और पद्मावत्

(ख) अमीर खुसरों का साहित्यिक परिचय ।

अथवा

(ख) मीरा एवं उसकी भक्ति

प्र.६ अतिलघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(किन्ही १८)** (१८)

(१) घनानंद का जन्म कब, कहाँ तथा किस जाति में हुआ था ?

(२) दिल्ली सम्राट के दरबारी घनानंद से क्यों जलते थे ?

(३) सुजान से घनानंद का क्या सम्बन्ध था ?

(४) घनानंद ने किस भाषा में अपनी रचनाएँ लिखीं थी ?

(५) दिल्ली छोड़कर घनानंद कहाँ गये ?

(६) घनानंद किस रस के प्रधान कवि हैं ?

(७) घनानंद का प्रेम निरुपण किस तरह का है ?

(८) बालकांड में कुल कितने छंदो का प्रयोग हुआ है ?

(९) अरण्यकांड में किसका चित्र खींचा गया है ?

(१०) किष्किन्धा कांड में किस प्रसंग का वर्णन है ?

(११) अयोध्याकांड में वर्णित प्रमुख प्रसंग कौन कौन से है ?

(१२) लंकाकांड की प्रमुख घटना कौन-सी है ?

(१३) सुंदरकांड की कथा में कौन से प्रसंग का वर्णन है ?

(१४) तुलसीदास के समय में किस राजा का शासन था ?

(१५) कबीर किस काल के कवि थे ?

(१६) कबीर के बीजक के संपादक कौन है ?

(१७) कबीर के पुत्र और पुत्री का नाम लिखिए ।

(१८) कबीर ने मुसलमानों से क्या ग्रहण किया ?

(१९) निर्गुण भक्ति की सबसे बड़ी विशेषता क्या है ?

(२०) कबीर के अनुसार गुरू में कैसा गुण होना चाहिए ?

(२१) कबीर ग्रंथावली के संपादक कौन है ?

* * * * *